# B.Ed. Ist Examination 2019-21

## Subject :- Pedagogy of Social Science (E-204)

Time :- 3:00 Hrs. M.M. - 80

नोट :- प्रत्येक खण्ड मे दिये गये निर्देशो के अनुसार ही प्रश्न हल कीजिए ।

## 'खण्ड अ'

निर्देश :- इस खण्ड मे तीन प्रश्नो को हल कीजिए। प्रत्येक 15 अंकों का है।

प्रश्न 1 - माध्यमिक स्तर पर सामाजिक अध्ययन शिक्षण के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा - मूल्यांकन से आप क्या समझते हैं। सामाजिक अध्ययन शिक्षण मे मूल्यांकन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2 - हिडन पाठ्यक्रम से आप क्या समझते है विस्तार से वर्णन कीजिए।

अथवा - शिक्षण व्यूह रचना अथवा शिक्षण नीति से आप क्या समझते है? विस्तापूर्वक समझाइये।

प्रश्न 3 :- निदानात्मक परीक्षण से आप क्या समझते है। इसकी आवश्यकता, महत्त्व एवं उद्देश्यो का सक्षेप मे वर्णन कीजिए।

अथवा - सूचना तकनीकी को परिभाषित कीजिए। इसकी आवश्यकताओ एवं उद्देश्यो को स्पष्ट कीजिए।

## 'खण्ड ब'

निर्देश :- इस खण्ड से किन्ही पाँच प्रश्नो को हल कीजिए। प्रत्येक तीन अंक का है।

प्रश्न 1 - सूक्ष्म-शिक्षण के स्वरूप की व्याख्या कीजिए ?

प्रश्न 2 - इकाई योजना के उद्देश्य बताइये।

प्रश्न 3 - उपचारात्मक शिक्षण क्या है ? व्याख्या कीजिए ?

प्रश्न 4 - ओवरहैड प्रोजेक्टर क्या है ? व्याख्या कीजिए ?

प्रश्न 5 - अनुदेशन व्यूह रचनाओ का सामाजिक अध्ययन शिक्षण मे महत्त्व बताइये ?

प्रश्न 6 - श्रव्य-दृश्य सामग्री का सामाजिक अध्ययन शिक्षण मे प्रयोग की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

## 'खण्ड स'

निर्देश :- सभी दस प्रश्नो को हल कीजिए ? प्रत्येक दो अंक का है।

प्रश्न 1 - सामाजिक अध्ययन 'विज्ञान अथवा कला' दोनो है स्पष्ट कीजिए ?

प्रश्न 2 - पाठ योजना क्या है।

प्रश्न 3 - सूक्ष्म-शिक्षण के जन्मदाता कौन है।

प्रश्न 4 - NCERT का पूरा नाम क्या है।

प्रश्न 5 - शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

प्रश्न 6 - उपलब्धि - परीक्षण क्या है।

प्रश्न 7 - पंचपदीय प्रणाली ------ की देन है।

प्रश्न 8 - पाठ्यक्रम बालको के -------- के लिए उपयोगी है।

प्रश्न 9 - ---- मे सहायक सामग्री का अत्यधिक महत्त्व है ?

प्रश्न 10 - मूल्यांकन ---- चलने वाली प्रक्रिया है।

Scanned with CamScanner